सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 251 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 18 अक्टूबर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

एक सज्जन व्यक्ति वह है जो अनजाने में किसी की भावनाओं को ठेस ना पहुंचाएं।

-ऑस्कर वाइल्ड

अफ्रीका के विजयी अभियान पर नीदरलैंड... 7 | कांग्रेस ने बीजपी को मप्र में... 3 | सियासी दलों ने चुनावी वादों में... 2

# आजम खां, पत्नी तंजीम व बेटे अब्दुल्ला को 7 साल की सजा

» दो जन्म प्रमाण पत्र मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट का आदेश

» दोषी करार दिये जाने के बाद हिरासत में भेजे गए तीनों आरोपी

» भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने किया था केस दर्ज

» सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा ट्रांसफर कराने को दायर याचिका भी रद्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां व उनके परिवार को तगड़ा झटका लगा है। बेटे अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाण पत्र के मामले में कोर्ट ने यह बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आजम खां, अब्दुल्ला आजम और पत्नी तंजीन फात्मा को सात साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही कोर्ट के आदेश पर तीनों को सीधे जेल भेजा जाएगा। इससे पहले, बुधवार को ही कोर्ट ने मामले में तीनों को दोषी करार दिया था।

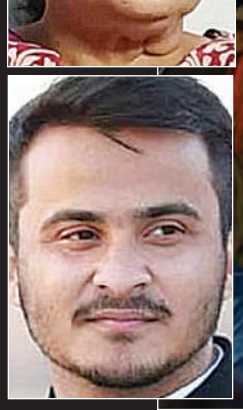

सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम खां के दो जन्म प्रमाणपत्र मामले में दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने बुधवार को अपना फैसला सुनाया। लघु उद्योग प्रकोष्ठ के तत्कालीन क्षेत्रीय संयोजक एवं भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने 2019 में गंज थाने में सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां के बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के खिलाफ दो जन्म प्रमाणपत्र होने का मामला दर्ज कराया था, जिसमें सपा नेता आजम खां और उनकी पत्नी डॉ. तंजीन फात्मा को भी आरोपी बनाया गया था। पुलिस ने विवेचना के बाद मामले में चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की थी। तीनों ही लोग इस समय जमानत पर चल रहे हैं। मामला एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट ट्रायल कोर्ट में चल रहा है। 11 अक्टूबर को इस मुकदमे में अब्दुल्ला आजम के अधिवक्ताओं को बहस करनी थी, लेकिन उनके द्वारा कोर्ट में स्थगन प्रार्थना पत्र दिया गया था, जिस पर कोर्ट ने सुनवाई करते हुए अब्दुल्ला को आदेश दिया था कि वह 16 अक्टूबर तक लिखित बहस दाखिल कर सकते हैं। इस फैसले के खिलाफ जिला जज की कोर्ट में रिवीजन दायर की गई थी।

## छजलैट प्रकरण में दोबारा चली गई थी विधायकी

सपा के पूर्व विधायक अदुल्ला आजम दूसरी दफा 2022 में स्वार टांडा सीट से सपा के टिकट पर चुनाव लड़े और वह जीत भी गए, लेकिन मुरादाबाद के छजलैट प्रकरण के 15 साल पुराने मामले में कोर्ट ने उनको दोषी ठहराते हुए 14 फरवरी 2023 को दो साल की कैद व तीन हजार रुपये जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई थी, जिसके बाद उनकी विधायकी दूसरी बार भी चली गई थी। 2017 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान अदुल्ला की ओर से जन्मतिथि का जो ब्योरा दिया गया था। उसे उस समय उनके निकटतम प्रतिद्वंदी रहे नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। उनका कहना था कि 2017 में चुनाव के समय अदुल्ला आजम की उम्र 25 साल से कम थी, जबकि चुनाव लड़ने के लिए उन्होंने फर्जी कागजात और हलफनामा दाखिल किया था। हाईस्कूल की मार्कशीट और अन्य दस्तावेजों को आधार बनाया गया था। हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद अदुल्ला की विधानसभा की सदस्यता को रद्द करते हुए चुनाव शून्य घोषित कर दिया था।

## 30 गवाहों और दस्तावेजों के आधार पर कोर्ट का फैसला

सपा के पूर्व विधायक अदुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र मामले में कोर्ट 30 गवाहों और उपलध दस्तावेजी सुबूतों के आधार पर अदालत ने अपना फैसला सुनाया है। दोनों ओर से 15-15 गवाह सुनवाई के दौरान पेश किए गए। पूर्व विधायक अदुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र का यह मामला वर्ष 2019 में सामने आया था। उस समय भाजपा लघु प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक व मौजूदा समय में शहर विधायक आकाश ससेना ने गंज थाने में तहरीर देकर मामला दर्ज कराया था।

# गांधी परिवार कांग्रेस की ताकत : शशि थरूर

» कांग्रेस को एक परिवार की पार्टी बताए जाने के बयान पर दी सफाई

» बोले- उनकी बातों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन में शामिल सबसे बड़े दल कांग्रेस को एक परिवार की पार्टी बताए जाने को लेकर अपने बयान पर पार्टी नेता शशि थरूर ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है। थरूर ने केरल में सोमवार (16 अक्टूबर) एक टेक कंपनी के दफ्तर के उद्घाटन के दौरान अगले प्रधानमंत्री के रूप में राहुल गांधी की संभावनाओं के बारे में भी टिप्पणी की थी, इस पर सफाई देते हुए उन्होंने कहा है कि बयान को गलत तरीके से पेश किया गया और उनका मानना है कि नेहरू/गांधी परिवार पार्टी की ताकत है।

थरूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्वीटर) पर पोस्ट किया, मैंने जो कुछ नहीं कहा वह यह है कि मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि पार्टी के भीतर किसी भी सर्वेक्षण में राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं की पहली पसंद होंगे।

तिरुवनंतपुरम में एक टेक कंपनी के नए कार्यालय का उद्घाटन करते समय, थरूर से 2024 के लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी से प्रधान मंत्री पद के दावेदार बनने की संभावनाओं के बारे में पूछा गया था। सवाल के जवाब में उन्होंने कहा था कि भारत में संसदीय चुनाव प्रक्रिया अमेरिका से अलग है जहां मतदाता प्राइमरी के माध्यम से एक उम्मीदवार चुनते हैं जो फिर राष्ट्रपति चुनाव में पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ता है, उन्होंने कहा कि भारत में पार्टी तय करती है कि किसे (प्रधानमंत्री के रूप में) आगे बढ़ाना है और प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में उम्मीदवार बनाना है।

## राहुल गांधी नहीं इलेक्शन गांधी : कविता

हैदराबाद। विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा आज तेलंगाना का दौरा करेंगे। कांग्रेसी नेता के इस दौरे पर बीआरएस एमएलसी के. कविता ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने राहुल और प्रियंका के इस दौरे की आलोचना करते हुए राहुल गांधी को इलेक्शन गांधी कहकर पुकारा है। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव से पहले बीआरएस एमएलसी के. कविता ने कांग्रेस पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के तेलंगाना दौरे पर निशाना साधते हुए कहा, तेलंगाना में चुनाव का माहौल है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी आज यहां आने वाले हैं। वे यहां विभिन्न योजनाओं की गारंटी देने के साथ कई झूठे वादे करेंगे। वे कभी वो नहीं करते हैं जो कांग्रेस पार्टी कहती है। मैं राहुल गांधी को इलेक्शन गांधी कहना चाहूंगी, क्योंकि वे केवल चुनाव के दौरान ही राज्यों का दौरा करते हैं।

# सियासी दलों ने चुनावी वादों में लोगों को दिखाए भविष्य के सपने

» विधानसभा के लिए चुनावी घोषणा पत्र किए जारी
» मध्य प्रदेश में सपा पीडीए को दिलाएगा न्याय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 के लिए मंगलवार को घोषणा पत्र जारी कर दिया है। सपा ने सरकार बनने पर जातीय जनगणना कराने सहित पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों को न्याय दिलाने का वादा किया है। सपा ने पिछड़े वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की बात कही है और कहा कि जनता को आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी दी जाएगी।

सपा ने यूपी की तरह मध्य प्रदेश में भी मेधावी छात्रों को लैपटॉप वितरित करने का वादा किया है और महिलाओं को समाजवादी पेंशन देने का एलान किया है। सरकारी कर्मचारियों को साधने ने लिए पार्टी ने पुरानी पेंशन के वादे को घोषणापत्र में शामिल किया है। वहीं, किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य देने का वादा किया है। सपा ने वादा किया है कि प्रदेश में सत्तारूढ़ होने पर जनता में समाजवादी मूल्यों व सिद्धांतों को बढ़ावा देगी और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक शिक्षा के साथ ही युवाओं को रोजगार मुहैया करवाएगी। अखिलेश यादव ने जनता से वोट करने की अपील की है।

## मायावती तेलंगाना में सत्ता में आईं तो देंगी मुफ्त जमीन

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने तेलंगाना राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया है। चुनाव जीतने के लिए जनता से लुभावने वादों की रेवड़ी बांटने के खिलाफ रही बसपा ने तेलंगाना में महिला श्रमिकों और किसानों को स्मार्ट फोन व वॉशिंग मशीन देने का वादा किया गया है। इसी तरह सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 50 फीसदी हिस्सेदारी की बात कही है। कहा है कि पार्टी सत्ता में आने पर दस लाख युवाओं को नौकरी देगी, जिसमें 50 फीसदी महिलाएं होंगी। पार्टी ने प्रत्येक भूमिहीन परिवार को एक एकड़ भूमि और बेघरों को पक्का आवास देने की घोषणा की है। खास बात यह है कि महिला आरक्षण बिल के मुताबिक मंत्रिमंडल में 33 फीसद महिलाओं को शामिल करने की बात भी कही गयी है। इसके अलावा पार्टी ने कई अन्य लुभावने वादे भी किए हैं।

# जल्द जारी होगी कांग्रेस उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट : टीएस सिंहदेव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि कल बैठक हुई थी। आज-कल में छत्तीसगढ़ की अगली सूची जारी कर दी जाएगी। आज कांग्रेस की सीईसी की बैठक में राजस्थान और मध्य प्रदेश को लेकर चर्चा होगी। सीईसी की बैठक से पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इस बात को लेकर आश्वस्त दिखे कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करेगी। गौरतलब आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक दिल्ली में हो रही है।

इस बैठक में छत्तीसगढ़ समेत अन्य राज्यों में हो रहे चुनाव के उम्मीदवारों की लिस्ट पर मंथन हो रहा है। दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में बैठक हो रही है। बता दें कि कांग्रेस ने नवरात्र के पहले दिन ही छत्तीसगढ़ कांग्रेस के उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी थी। छत्तीसगढ़ में आगामी चुनाव के लिए 30 उम्मीदवारों की सूची जारी की गई। इस लिस्ट में सीएम भूपेश बघेल पाटन से, डिप्टी सीएम टीएस सिंह देव अंबिकापुर से चुनाव लड़ेंगे।

# पालिका का कोई सफाईकर्मी काम नहीं करता : महबूब अली

» आवास पर लगे सफाईकर्मी गुपचुप तरीके से हटाने का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरोहा। सपा के कद्दावर नेता पूर्व मंत्री एवं सदर विधायक महबूब अली के आवास पर लगे पांच सफाई कर्मियों को पालिका ने हटा लिया गया है। बताया जा रहा है यह सफाईकर्मी विधायक के आवास पर वर्षों से काम कर रहे थे। हालांकि, पालिका प्रशासन इस पर खुलकर नहीं बोल पा रहा है। उधर, विधायक महबूब अली का कहना है कि उनके यहां पालिका का कोई सफाई कर्मी काम नहीं करता है।

पालिका के सफाई कर्मियों से काम कराने की बात पूरी तरह गलत है। सदर विधायक महबूब अली सपा के कद्दावर नेताओं में शुमार रहे हैं। उनके बेटे परवेज अली भी एमएलसी रह चुके हैं। बताया जा रहा है कि उनके आवास पर पिछले कई सालों से पालिका के सफाई कर्मचारी काम करते आ रहे थे। किसी ने इसकी शिकायत नगर पालिका प्रशासन से की। जिसके बाद पालिका टीम ने जांच की। बताया जा रहा है कि पालिका ने चोरी छिपे काम कर रहे पांचों सफाई कर्मचारियों को वापस हटा लिया गया।

# इब्राहिम को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं

» अगर नई पार्टी बना रहे हैं तो लगाएं बोर्ड: कुमारस्वामी
» भाजपा के साथ हाथ मिलाने के फैसले से नाराज हैं प्रदेश अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जनता दल (सेक्युलर) के नेता एचडी कुमारस्वामी ने भाजपा के साथ हाथ मिलाने के पार्टी नेतृत्व के फैसले पर अपनी विद्रोही टिप्पणी के लिए प्रदेश अध्यक्ष सीएम इब्राहिम पर पलटवार किया और उन्हें चुनौती दी कि अगर उनकी पार्टी असली है तो उन्हें एक बोर्ड लगाना चाहिए कि वह असली वाले हैं। इब्राहिम पर हमला करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि उन्हें किसने रोका है? वह जो चाहते हैं करें। वह ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं।

यह उनपर निर्भर करता है। आपको बता दें कि भाजपा से हाथ मिलाने को लेकर पार्टी नेतृत्व के खिलाफ सीएम इब्राहिम ने बगावत का झंडा बुलंद किया है। इब्राहिम ने कहा था कि पार्टी छोड़ने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता, क्योंकि वे असली जद(एस) का नेतृत्व कर रहे हैं। इसी को लेकर आक्रोश भरे लहजे में एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि मैं उनके (इब्राहिम के) बयान को गंभीरता से क्यों लूं? कृपया मेरे साथ फिजूल बातों पर चर्चा मत कीजिए। यह ऐसा मामला नहीं है, जिसपर जवाब दिया जाए। पार्टी के नेता फैसला लेंगे। जो भी आवश्यक होगा, हम करेंगे। पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री इब्राहिम ने सोमवार को कहा था कि वह जल्द ही कोर कमेटी की बैठक बुलाएंगे। उन्होंने कहा था कि कोर कमेटी एच.डी. देवेगौड़ा से मिलकर बैठक में लिए गए अपने फैसले से उन्हें अवगत कराएगी कि जद (एस) को भाजपा के साथ गठबंधन नहीं करना चाहिए।

जद (एस) के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री जी.टी. देवेगौड़ा ने कहा कि मई में विधानसभा चुनाव के तुरंत बाद इब्राहिम ने निराशाजनक प्रदर्शन के लिए नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एच.डी. देवेगौड़ा को अपना इस्तीफा सौंप दिया था,लेकिन उन्होंने इब्राहिम को पद पर बने रहने को कहा था।

# कोर्ट के फैसले से भाजपा को झटका : राघव

» सांसद सरकारी बंगले में रह सकते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को दिल्ली हाईकोर्ट से राहत मिली है। हाईकोर्ट ने सरकारी बंगले के आवंटन से जुड़ी याचिका पर फैसला सुनाते हुए सांसद राघव चड्ढा की अपील मंजूर कर ली है। चड्ढा को तीन दिनों के भीतर निचली अदालत के सामने अपना रिप्रजेंटेशन देना होगा। चड्ढा ने निचली अदालत के पांच अक्तूबर के आदेश को यहां चुनौती दी थी। कोर्ट से राहत मिलने के बाद राघव चड्ढा ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय का फैसला भाजपा की तानाशाई और अन्याय पर करारा तमाचा।

यह मकान या दुकान की नहीं बल्कि संविधान को बचाने की लड़ाई है। अंत में सत्य और न्याय की जीत हुई। मैं बस यह कहना चाहता हूं कि वे मुझे मेरे आधिकारिक आवास से हटा सकते हैं, वे मुझे संसद से निकाल सकते हैं, लेकिन वे मुझे लाखों भारतीयों के दिलों से नहीं हटा सकते, जहां मैं वास करता हूं। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को आवंटित सरकारी बंगले से बेदखल करने से राज्यसभा सचिवालय को रोकने संबंधी एक अंतरिम आदेश को अदालत ने रद्द कर दिया था। याचिका पर दो दिन तक लगातार सुनवाई करने के बाद जस्टिस अनूप जयराम भंभानी ने 12 अक्तूबर को अपना फैसला सुरक्षित लिया था। इस दौरान हाईकोर्ट ने मौखिक तौर पर राज्यसभा सचिवालय के वकील से कहा कि हाईकोर्ट का फैसला आने तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए।

## मनी लॉन्ड्रिंग कानून उत्पीड़न का साधन नहीं बन सकता : संजय सिंह

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ कानून उत्पीड़न का साधन नहीं बन सकता है। उत्पाद शुल्क नीति से संबंधित एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए गए आप नेता संजय सिंह ने उच्च न्यायालय के समक्ष यह तर्क रखा। उन्होंने अपनी रिहाई की मांग की है। सांसद के वकील ने तर्क दिया कि उनकी गिरफ्तारी अवैध, दुर्भावनापूर्ण और सत्ता के विरूपण का एक उत्कृष्ट मामला है और इसलिए उन्हें एजेंसी की हिरासत में भेजने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया जाना चाहिए। न्यायामूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष संजय सिंह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विक्रम चौधरी ने कहा, धन शोधन निवारण अधिनियम दुरुपयोग का साधन नहीं बन सकता, अगर ऐसी छूट दी जाती है तो कोई भी सुरक्षित नहीं है। यह सत्ता के दुरुपयोग और विकृति का एक उत्कृष्ट मामला है।

# कांग्रेस ने बीजपी को मप्र में पछाड़ा!

## मध्य प्रदेश में कमलनाथ ने जारी किया घोषणा पत्र

- राहुल-प्रियंका के गारंटी को मिला बढ़ावा
- बीजेपी ने बोला- महाझूठ है घोषणापत्र
- भाजपा 94 प्रत्याशियों के नाम पर कर रही चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पांच राज्यों में चुनावों की घोषणा हो चुकी है। कांग्रेस व भाजपा ने अपने-अपने तीर व तरकश को संवारना शुरू दिया। जहां बीजेपी ने प्रत्याशियों की सूची जारी करने में कांग्रेस को पीछे छोड़ा वही कांग्रेस ने घोषणा पत्र जारी करने में भाजपा को पछाड़ दिया। अपने घोषणा पत्र में कमलनाथ ने मध्य प्रदेश में खुशहाली गंगा बहाने का वादा किया। वहीं उसकी घोषणा पत्र को भाजपा ने झूठ का पुलिंदा बता दिया है। राहुल गांधी ने सभी पांच राज्यों में कांग्रेस की सरकार के बनने का दावा किया है। कांग्रेस पार्टी ने मंगलवार को भोपाल में मध्य प्रदेश चुनाव से पहले अपना घोषणापत्र जारी किया। घोषणापत्र के अनावरण के दौरान मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह समेत अन्य नेता मौजूद रहे। कमलनाथ ने इस दौरान कहा कि मध्य प्रदेश किसानों का प्रदेश है। कांग्रेस सरकार 2500 रुपये प्रति क्विंटल धान खरीदेगी, हम 2600 रुपये प्रति क्विंटल गेहूं खरीदेंगे। कमलनाथ ने कहा कि मैं हमारे घोषणापत्र के लिए 9,000 से अधिक सुझाव भेजने के लिए मध्य प्रदेश के लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। प्रत्येक सुझाव अपने तरीके से महत्वपूर्ण था। मध्य प्रदेश में जाति जनगणना कराना कांग्रेस द्वारा किए गए प्रमुख वादों में से एक है। पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के कार्यान्वयन से लेकर, 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली से लेकर महिलाओं के लिए 1,500 रुपये प्रति माह की सहायता और कृषि ऋण माफी, 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराने तक, पार्टी नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने घोषणा की है। यदि कांग्रेस राज्य में चुनाव जीतती है तो कई गारंटी दी जाएंगी।

नवरात्र के पहले दिन कांग्रेस ने एकमुश्त 144 प्रत्याशियों के नाम का एलान कर दिया। वहीं, भाजपा ने अब तक अपनी चार सूची जारी की है, जिसमें 136 प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारा है। अब भाजपा की पांचवीं सूची मंगलवार को आ सकती है। दरअसल, दिल्ली में मंगलवार को मध्य प्रदेश भाजपा की बड़ी बैठक बुलाई गई है। इसमें प्रदेश भाजपा के बड़े नेता शामिल हो सकते हैं। ऐसे में चर्चा है बैठक के बाद बाकी प्रत्याशियों के नाम पर मुहर लग सकती है। इसमें 70 नाम हो सकते हैं। पिछले कुछ दिन से भाजपा के बड़े दिग्गज नेता 94 प्रत्याशियों के नाम पर लगातार मंथन कर रहे थे। अब चुनाव में एक महीने से भी कम का समय बचा है। 21 अक्तूबर को नामांकन की अधिसूचना जारी हो जाएगी। भाजपा ने इस बार अपने तीन केंद्रीय मंत्री समेत सात सांसदों को विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत 25 मंत्रियों को टिकट दिया है। अभी आठ मंत्रियों के टिकट होल्ड हैं। एक मंत्री यशोधरा राजे ने स्वास्थ्य के चलते चुनाव लड़ने से मना कर दिया है। भाजपा ने अभी तक 57 विधायकों को टिकट दिया है। वहीं, तीन विधायकों के टिकट काट दिए हैं।

## राहुल या खरगे बन सकते हैं पीएम : थरूर

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा है कि 2024 लोकसभा चुनावों में अगर इंडिया अलायंस जीतती है तो राहुल गांधी या मल्लिकार्जुन खरगे पीएम कैंडिडेट बन सकते हैं, क्योंकि कई मायनों में कांग्रेस परिवारवाद वाली पार्टी है। तिरुवनंतपुरम के एक इवेंट में उनसे पूछा गया था कि क्या वे कांग्रेस की प्रधानमंत्री पद के दावेदार बनेंगे। इसके जवाब में उन्होंने ये बात कही। थरूर ने कहा कि अगले साल के चुनावों के नतीजे चौंकाने वाले हो सकते हैं क्योंकि विपक्ष एकजुट हो चुका है और बहुत प्रबल संभावना है कि इंडिया अलायंस भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए को पछाड़कर सत्ता में आ जाए। उन्होंने कहा कि नतीजे सामने आने के बाद, इस गठबंधन के नेताओं को मिलकर एक कैंडिडेट को चुनना होगा। मेरा अंदाजा है कि कांग्रेस पार्टी की तरफ से मल्लिकार्जुन खरगे का नाम दिया जा सकता है, ऐसे में वे देश के पहले दलित पीएम होंगे। थरूर ने कहा कि खरगे के अलावा राहुल गांधी का नाम दिया जा सकता है, क्योंकि कई मायनों में कांग्रेस को एक परिवार चला रहा है। थरूर ने ये भी कहा कि उन्हें यकीन है कि जो भी जिम्मेदारी उन्हें सौंपी जाएगी, वो उसे बखूबी निभा सकेंगे। थरूर ने कार्यक्रम में मौजूद युवाओं से कहा कि पीएम पद का दावेदार सिर्फ उसकी खूबियां देखकर तय नहीं किया जाएगा। हमारा सिस्टम अमेरिकी सिस्टम से बहुत अलग है। पार्लियामेंट्री सिस्टम का मतलब है कि पार्टी तय करेगी कि ऐसे मौके पर किसे आगे किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत में चुनाव लड़ने का टिकट किसे दिया जाएगा, ये भी पार्टी तय करती है। जबकि अमेरिका में वोटर्स ही इसका चुनाव करते हैं। भारत में ओबामा जैसा करियर बना पाना संभव नहीं है। हमारा देश बहुत बड़ा है। यहां पर 543 लोकसभा सीटें हैं, इसलिए किसी एक व्यक्ति की काबिलियत मायने नहीं रखती है।

## संघ चाहता है कि देश एक विचार से चले : राहुल

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी दो दिन के मिजोरम दौरे पर हैं। दौरे के दूसरे दिन मंगलवार 17 अक्टूबर को राहुल ने मिजोरम के कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चाहता है कि देश एक विचार (आइडियोलॉजी) और एक संगठन से चले। हम इसका विरोध करते हैं। हम विकेंद्रीकरण पर विश्वास करते हैं, जबकि भाजपा मानती है कि सारे फैसले दिल्ली में होने चाहिए। भाजपा भारत के संस्थागत ढांचे पर कब्जा करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मिजोरम दौरे का मंगलवार 17 अक्टूबर को दूसरा दिन था। यहां उन्होंने कहा कि कुछ दिनों पहले मैं भारत जोड़ो यात्रा से कन्याकुमारी से कश्मीर तक चला। इसका आइडिया भाजपा और आरएसएस की ओर से देश में फैलाई गई विचारधारा से लड़ना था। ऐसा लगता है कि पीएम के लिए मणिपुर देश का हिस्सा नहीं है। इसलिए वे मणिपुर को महत्व नहीं दे रहे हैं। राहुल ने मिजोरम के लुंगलेई में जनसभा को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। वे दो दिन (16-17 अक्टूबर) के मिजोरम दौरे पर

हैं। यहां आकर मेरी पुरानी यादें ताजा हो जाती हैं, जब मैं 1986 में यहां आया था। तब मिजोरम हिंसा से शांति और सद्भाव की ओर बढ़ रहा था। 1987 में आपको राज्य का दर्जा मिला, यह लंबा सफर था। यहां कई युवा बैठे हैं, जिन्होंने मिजोरम में हिंसा नहीं देखी, लेकिन पुरानी पीढ़ी को हिंसा की कीमत पता है। मिजो नेशनल फ्रंट का रिकॉर्ड सबके सामने है। राज्य में बेरोजगारी बढ़ रही है। नशीली दवाओं पर नकेल कसने में सरकार विफल है, जिसके चलते पांच साल में 250 युवाओं की जिंदगी खत्म हो गई। एनएमएफ खुले तौर पर उन लोगों का समर्थन करती है, जो मिजोरम के विचार पर हमला कर रहे हैं। अमित शाह का बेटा क्या करता है? राजनाथ सिंह का बेटा क्या करता है? आखिरी बार मैंने सुना था कि अमित शाह का बेटा इंडियन क्रिकेट टीम चलाता है। बीजेपी के नेताओं को देखिए, उनके बच्चे क्या कर रहे हैं। अनुराग ठाकुर जैसे कई परिवारवाद के नेता हैं।भारत राज्यों का संघ है, जहां सभी संस्कृतियों, धर्मों, इतिहासों को बचाने की जरूरत है। कांग्रेस ने देश के मूलभूत ढांचे को बनाने में मदद की और हमेशा इसे बचाने की कोशिश की। मुझे मिजोरम आना पसंद है। 16 अक्टूबर की पदयात्रा में आइजॉल के लोगों ने भरपूर सपोर्ट किया। भारत जोड़ो यात्रा की थीम पर हमने ये यात्रा की।छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और मिजोरम..., हम हर राज्य में जीत हासिल करेंगे। जब मैं मध्य प्रदेश जाता हूं तो मुझे भाजपा के खिलाफ भारी जनाक्रोश दिखता है, जब मैं छत्तीसगढ़ और राजस्थान जाता हूं तो वहां हमारी सरकार के किए गए काम के लिए भारी समर्थन देखता हूं।

## मप्र में लाएंगे खुशहाली : कमलनाथ

इन दिनों चुनावी राजनीति की पिच पर धुआंधार बैटिंग कर रहे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने सरकार बनने पर मध्य प्रदेश को आईपीएल टीम देने का वचन दिया है। दरअसल, कांग्रेस ने आज अपने घोषणा पत्र में मध्य प्रदेश की जनता से कई वादे किए। इसमें महिलाओं से लेकर युवा, सभी के लिए अलग-अलग घोषणाएं की।मध्य प्रदेश के हर व्यक्ति पर शिवराज सरकार द्वारा 50 हजार रुपये का कर्ज लादने का आरोप लगाने वाली कांग्रेस ने आज मतदाताओं को 1290 वचन दिए है. कमलनाथ ने ये सभी वचन देते हुए कहा, हम एमपी की आईपीएल टीम बनाने की कोशिश करेंगे। कांग्रेस के पीसीसी चीफ कमलनाथ ने ऐलान किया। उन्होंने 100 यूनिट तक फ्री और 200 यूनिट तक हाफ रेट पर बिजली, पुरानी पेंशन और बेरोजगारी भत्ता देने की भी गारंटी दी। पार्टी की वचन पत्र समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह की अगुवाई में एक साल में तैयार हुए वचन पत्र में 59 विषय, 225 मुख्य बिंदू, 1290 वचन और 101 गारंटी हैं। वचन पत्र में कांग्रेस ने राहुल गांधी की जाति गणना की घोषणा के साथ प्रियंका गांधी की 11 गारंटी को भी प्रमुखता से शामिल किया है। ये हैं प्रियंका गांधी की गारंटी- महिलाओं को 1500 रुपये महीने, 500 रुपए में गैस सिलेंडर, 100 यूनिट बिजली का बिल माफ, 200 यूनिट का बिल हाफ, किसानों का कर्ज होगा माफ, पुरानी पेंशन योजना लागू होगी, हॉर्स पावर सिंचाई की बिजलीफ्री, किसानों के बिजली बिल माफ, ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण, आदिवासियों के मुकदमे वापस होंगे, जातिगत जनगणना करायेंगे, किसानों के मुकदमे वापस होंगे कमलनाथ ने वचन पत्र जारी करने की सूचना देते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा,कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा चुनाव 2023 के लिए आज अपना वचन पत्र जारी किया है, यह वचन पत्र मध्य प्रदेश की जनता के लिए खुशहाली और समृद्धि का संदेश है। हम किसानों को गेहूं का 2600 रुपये प्रति क्विंटल और धान का 2500 रुपये प्रति क्विंटल मूल्य देंगे और इसे बढ़ाकर 3000 रुपये प्रति क्विंटल तक ले जाएंगे। वचन पत्र में समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए संकल्प लिया गया है, कांग्रेस आएगी, खुशहाली लाएगी।

## झूठे वचनों का पुलिंदा : शिवराज

कांग्रेस के वचन पत्र पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा है, कांग्रेस फिर लेकर आई झूठे वचनों का पुलिंदा। लेकिन सच तो यह है कि बीजेपी के जनकल्याण और विकास के आगे कांग्रेसियों के झूठ वचन और वादे नहीं टिकेंगे। जनता इन्हें जवाब देगी.बीजेपी फिर जीतेगी और भरपूर बहुमत से जीतेगी। क्योंकि हम जो कहते हैं, वो करते हैं। बीजेपी सरकार ने विकास किया है, आगे भी विकास करेगी। कांग्रेस के वचन पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जनता कांग्रेस के इस भ्रम में नहीं आने वाली है। कांग्रेस की सच्चाई जनता जानती है। पांच साल पहले भी कांग्रेस ने सैकड़ों वचन दिए थे जिसमें से एक भी पूरा नहीं हुआ। विधानसभा चुनाव 2023 के लिए कांग्रेस की ओर से जारी किए गए वचन पत्र को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने महाझूठा पत्र बताया है। उन्होंने आज कांग्रेस के वचन पत्र पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस का यह वचन पत्र नहीं, यह महाझूठ पत्र है। पांच साल पहले भी कांग्रेस ने 900 से ज्यादा वचन दिए थे जिसमें से 9 भी पूरे नहीं किए। आज तक लोग तरस रहे हैं। हम पूछना चाहते हैं नौजवानों को 4000 बेरोजगारी भत्ता कब मिलेगा। समर्थन मूल्य पर बोनस कब मिलेगा। समूहों का कर्जा कब माफ होगा। एक नहीं अनेकों वचन दिए थे कांग्रेस ने जो सारे के सारे झूठे निकले। आज एक बार इन्होंने फिर महाझूठ पत्र प्रस्तुत कर दिया। इस झूठ पर जनता भरोसा करने वाली नहीं है, क्योंकि जनता जानती है भाजपा जो कहती है वो पूरा करती है जो नहीं कहती उसे भी पूरा करती है। लाड़ली बहना योजना दृष्टि पत्र में नहीं थी लेकिन हमने इसे लागू किया। कांग्रेस की सच्चाई जनता जानती है, भ्रम में आने वाली नहीं है। कमलनाथ के वीडियो पर मुख्यमंत्री ने कहा कि एक पूर्व मुख्यमंत्री दूसरे पूर्व मुख्यमंत्री के लिए कह रहा है जाओ उनके कपड़े फाड़ो, उनके बेटे के कपड़े फाड़ो। ये कांग्रेस का असली स्वरूप है और कांग्रेस कितनी है मुझे ये भी नहीं समझ आता। कांग्रेस के टिकट कहां तय हो रहे हैं। अभी ये भी कहा गया कि छिंदवाड़ा के टिकट पर नकुलनाथ घोषित करेंगे और नकुलनाथ के घोषित करने के बाद फिर दिल्ली से घोषित होंगे और दो टिकट उन्होंने घोषित भी कर दिए। क्या सोनिया गांधी जी की कांग्रेस अलग है। कमलनाथ जी की कांग्रेस अलग है। नकुलनाथ की कांग्रेस अलग है। कांग्रेस कितनी है। कांग्रेस किसकी है और कांग्रेस क्या है ये जनता जानना चाहती है।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# कोर्ट का हतप्रभ करने वाला फैसला

**लोगों का कहना है जिन मासूम बच्चों की मौत इस कांड की वजह से हुई है ये उनके साथ अन्याय है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निठारी कांड के आरोपी मनिंदर सिंह पंढेर और सुरिंदर कोली संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया है। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद दोनों आरोपी फांसी के फंदे से काफी दूर हो गए हैं। 308 पन्ने के आदेश में हाईकोर्ट ने केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई पर भी तल्ख टिप्पणी की।**

*पूरे देश को जिस कांड ने 2006 में डरा दिया था उस निठारी कांड के सबसे बड़े आरोपियों को इलाहाबाद हाइकोर्ट ने बरी कर दिया। अदालत ने कहा की सीबीआई ने ठीक से सबूत नहीं पेश किया। फैसले में दोनों आरेपियों कर सजा को रद्द कर दिया है अब उन्हें फांसी नहीं दी जाएगी। इस फैसले लोग हतप्रभ है। लोगों का कहना है जिन मासूम बच्चों की मौत इस कांड की वजह से हुई है ये उनके साथ अन्याय है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निठारी कांड के आरोपी मनिंदर सिंह पंढेर और सुरिंदर कोली संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया है। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद दोनों आरोपी फांसी के फंदे से काफी दूर हो गए हैं। 308 पन्ने के आदेश में हाईकोर्ट ने केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई पर भी तल्ख टिप्पणी की। जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा और जस्टिस एसएएच रिजवी की बेंच ने सीबीआई जांच को लोगों के साथ विश्वासघात बतायाद्ध हाईकोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसी ने गैर-जिम्मेदाराना तरीके से सबूत जुटाए और जानबूझकर एक नौकर को फंसाने का आसान रास्ता चुना। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में आगे कहा कि सीबीआई की बेहद खराब जांच इसलिए भी चिंताजनक है, क्योंकि निठारी कांड बच्चों की हत्या से जुड़ा हुआ था।*

*हालांकि, यह पहला मामला नहीं है, जब सीबीआई आरोपियों के खिलाफ सबूत जुटाने में नकाम रही हो। कोर्ट ने कहा कि कंकाल बरामदगी में सीबीआई ने कानूनी प्रक्रिया नहीं अपनाई, अंग व्यापार की जांच किए बिना इस मुद्दे को नरभक्षण से जोड़ा गया। दिसंबर 2006 में पहली बार निठारी कांड का खुलासा हुआ था, दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट में निठारी के रिम्पा हलदार के परिजनों ने एक याचिका दाखिल की। इसमें कहा गया कि निठारी के डी-5 बंगले के पास से उनका बच्चा गायब हो गया, लेकिन पुलिस लीपापोती कर रही है। मामले में नया मोड़ तब आया, जब पंढेर के मकान के पीछे ड्रेन में आठ बच्चों के कंकाल पाए गए. इसके बाद पुलिस ने डी-5 बंगला के इर्द-गिर्द स्थानीय लोगों की मदद से खुदाई शुरू की, जिसमें कई और नर कंकाल मिलने का दावा किया गया। घटना से आक्रोशित लोगों ने सीबीआई से जांच कराने की मांग की। जनवरी 2007 में यह केस सीबीआई को सौंपा गया, नोएडा के तत्कालीन एसएसपी दिनेश यादव समेत कई बड़े पुलिस अधिकारियों पर इस मामले में लापरवाही के चलते कार्रवाई भी हुई। विशेष अदालत ने 2017 में इस मामले में सुरिंदर कोली और पंढेर को फांसी की सजा सुनाई, जिसके बाद यह मामला हाईकोर्ट चला गया। फैसला सही या गलत ये बहस का विषय हो सकता है पर कानून बनाने वालों को देखना होगा कि इस तरह के जघन्य हत्याकांड क आरोपियों के सबूत हर हाल में मिलने चाहिए ताकि उनकी सजा ऐसी नजीर बने ताकि आगे कोई ऐसा अपराध करने की हिम्मत न कर सके।*

( इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं )

# मीडिया को 'गैंग' और 'गोदी' में बांटना चिंताजनक

विश्वनाथ सचदेव

हाल ही के एक टीवी कार्यक्रम में एक वरिष्ठ पत्रकार बता रहे थे कि अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व-कार्यकाल में कैसे उन्होंने प्रधानमंत्री के एक विदेशी दौरे में साथ जाने के प्रधानमंत्री कार्यालय के एक अनुरोध को अस्वीकार करते हुए अपनी जगह अपने सहयोगी को भेजने की जिद की थी और उनकी यह जिद पूरी भी हुई थी। वरिष्ठ पत्रकार ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री उनके सहयोगी की विचारधारा को पसंद नहीं करते थे। वरिष्ठ पत्रकार ने यह बात 'इंडिया' गठबंधन द्वारा कुछ टीवी चैनलों के एंकरों के बहिष्कार के संदर्भ में कही थी। इस 'बहिष्कार' या 'असहयोग' को घोषित हुए लगभग एक महीना हो रहा है। पता नहीं इस कार्रवाई का संबंधित राजनीतिक दलों पर क्या असर पड़ा है अथवा चैनलों की टीआरपी में कितना और कैसा अंतर आया है, पर यह अवश्य हुआ है कि इस विवाद ने पत्रकारिता की विश्वसनीयता के सवाल को एक बार फिर उभार कर सामने ला दिया है।

एक समाचार चैनल ने इस सवाल पर एक सर्वेक्षण भी कराया है और उसके परिणाम बता रहे हैं कुल मिलाकर टीवी दर्शकों को यह कार्रवाई बहुत पसंद नहीं आयी है। अभिव्यक्ति की आजादी में विश्वास करने वाली व्यवस्था में इस तरह का बहिष्कार कोई अच्छी बात नहीं मानी जा सकती है। हां, जैसे पत्रकारों और एंकरों को अपनी बात कहने का, सवाल पूछने का, अधिकार है, वैसे ही राजनीतिक दलों को भी यह अधिकार है कि वह किसी चैनल के कार्यक्रम में सहभागिता करें अथवा नहीं। बहरहाल, इस विषय को लेकर कार्रवाई के पक्ष-विपक्ष में काफी कुछ कहा-सुना जा चुका है, और शायद इसी का परिणाम है कि हमारी पत्रकारिता की विश्वसनीयता फिर एक बार सवालों के घेरे में है। इस संदर्भ में हुए एक से अधिक सर्वेक्षणों में यह बात उभर कर सामने आई है कि पत्रकारिता, विशेष कर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की विश्वसनीयता पिछले एक अर्से में काफी कम हुई है और एक जनतांत्रिक समाज के लिए यह निश्चित रूप से चिंता की बात होनी चाहिए।

शुक्र है कि प्रिंट मीडिया अभी भी एक सीमा तक इस संदर्भ में कुछ बेहतर स्थिति में है, पर सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दोनों की लगातार घटती विश्वसनीयता गंभीर चिंता की बात होनी चाहिए। अभिव्यक्ति की

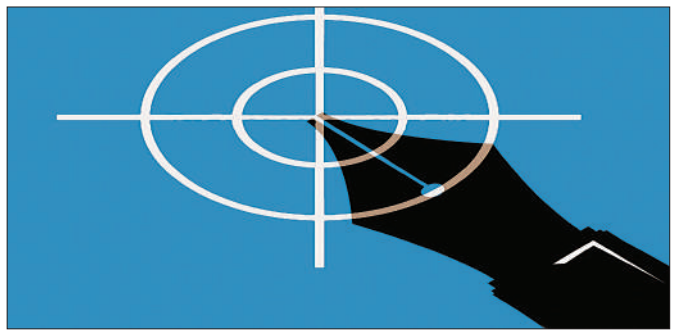

स्वतंत्रता में विश्वास करने वाले समाज में मीडिया की यह स्थिति किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। समाज को सही स्थिति से परिचित कराना पत्रकारिता का सर्वोपरि उद्देश्य है। स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले, और एक अर्से तक उसके बाद भी विश्वसनीयता की इस कसौटी पर हमारी पत्रकारिता पर्याप्त ऊंचे पायदान पर थी, पर इस बारे में सर्वेक्षण करने वाले अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के आकलन बता रहे हैं कि अब हमारा स्थान बहुत नीचे आ चुका है। पत्रकारिता की विश्वसनीयता और स्वतंत्र पत्रकारिता का सीधा और गहरा रिश्ता है। यह जानकर कुछ अच्छा नहीं लगता कि मीडिया की स्वतंत्रता के संदर्भ में हमारा स्थान वर्ष 2023 में 180 देशों में 161वां है 'रिपोर्टर्स विदाउट बोर्डर्स' के ताजा आकलन के अनुसार पिछले वर्ष यानी 2022 में हमारा स्थान 157वां था। अर्थात हम चार सीढ़ियां और नीचे उतर गये! इन अंतर्राष्ट्रीय आकलनों को किसी ईर्ष्या और षड्यंत्र का हिस्सा बता कर अपनी कमीज की सफेदी पर हम भले ही गर्व कर लें, लेकिन यह एक सच्चाई है कि विश्वसनीयता और स्वतंत्रता की दृष्टि से हमारी पत्रकारिता का तेजी से ह्रास हुआ है। यह बात तो समझ में आती है कि बाकी नागरिकों की तरह ही पत्रकारों के भी अपने कुछ विचार हो सकते हैं, पर समझ में यह बात भी आनी चाहिए कि पत्रकारिता सिर्फ एक पेशा नहीं, एक दायित्व भी है। यदि किसी पत्रकार के अपने विचार अथवा अपनी कोई विवशता यह दायित्व निभाने में बाधक बनती है तो कतई जरूरी नहीं है कि व्यक्ति पत्रकारिता के क्षेत्र में बना रहे। लगभग आधी सदी पहले जब मेरी पीढ़ी पत्रकारिता में आई थी तो शुरू में ही सिखाया जाता था कि समाचार की पवित्रता में कोई आंच नहीं आनी चाहिए। हां, अपनी टिप्पणी सामने रखने का अधिकार सबको है। समाचार की पवित्रता का मतलब है समाचार के साथ कोई छेड़-छाड़ न हो।

पूरी बात पूरी ईमानदारी के साथ पाठक-दर्शक तक पहुंचाई जाये। आप अपने विचार अलग से दे सकते हैं, पर इस बात का ध्यान रखा जाना जरूरी है कि पत्रकारिता का उद्देश्य पाठक-दर्शक को अपनी राय बनाने, सामने रखने के लायक बनाना है। दुर्भाग्य से, यह उद्देश्य अब पीछे धकेला जा रहा है। हमारी पत्रकारिता का बहुत बड़ा हिस्सा अपने इतर स्वार्थों में लग रहा है। सत्ता की राजनीति और कार्पोरेट जगत की रीति-नीति मीडिया के समूचे व्यवहार पर हावी होती जा रही है।

# वैश्विक राजनीति में बदलाव की घातक परिणति

उमेश चतुर्वेदी

सात अक्टूबर को इस्राइल पर अचानक हमला भले ही हमास ने किया है, लेकिन दुनिया का एक बड़ा हिस्सा यह मानने लगा है कि यह हमला न सिर्फ सुनियोजित है, बल्कि इसके पीछे मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में उपजी परिस्थितियां भी जिम्मेदार हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने साफ कहा है कि इस हमले के पीछे ईरान का हाथ है। हालांकि अब तक अमेरिका के हाथ ठोस सुबूत नहीं लगे हैं। जिस तरह हमास ने इस्राइल जैसी सैनिक ताकत को चौंकाया है, उसके मिसाइल रोधी आयरन डोम सिस्टम को चकमा दिया है, उससे साफ है कि उसे तकनीक ऐसे देशों ने मुहैया करायी है, जिनकी सैनिक और वैज्ञानिक ताकत स्थापित है। शक रूस और चीन की ओर जा रहा है जिसमें ईरान उसका मोहरा बना है।

दरअसल, हाल के दिनों में अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में शक्ति संतुलन बदलने लगा है। भारत, अमेरिका और सऊदी अरब ज्यादा नजदीक हैं। सऊदी अरब अपने विशाल तेल भंडार और उससे हासिल आर्थिक ताकत के दम पर अरब देशों के बीच अगुआ बनने की ओर अग्रसर है। लेकिन ईरान उसकी राह में बाधा है। अमेरिकी कोशिशों से सऊदी अरब और इस्राइल के बीच रिश्ते सामान्य होते जा रहे थे। उम्मीद थी कि इस बारे कुछ महीनों में औपचारिक घोषणा हो सकती है। वैसे सऊदी और अमेरिका के बीच नाटो जैसी संधि भी हो चुकी है। जिसमें सऊदी पर हमला अमेरिका पर हमला माना जाएगा। ऐसे में अमेरिका उसकी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार होगा। इससे चीन और रूस चिंतित हैं। वाजपेयी सरकार के दौरान से भारत की विदेश नीति में मध्य पूर्व को लेकर बदलाव भी आया है। जिसे मोदी सरकार ने शीर्ष पर पहुंचाया है। अब भारत के लिए फिलीस्तीन से ज्यादा नजदीक इस्राइल है। हाल ही में दिल्ली में संपन्न हुए जी 20 शिखर सम्मेलन में भारत के प्रयासों से आईएमईसी यानी इंडिया, मिडिल ईस्ट, यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर का ऐलान हुआ। माना जा रहा है कि यह चीन के बीआरआई यानी बॉर्डर रोड इनिशिएटिव का जवाब है।

यहां बीआरआई समेत चीन की साम्राज्यवादी योजना की चर्चा उचित है। वह बीआरआई परियोजना के तहत आने वाले देशों में सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और ऊर्जा परियोजनाओं आदि के निर्माण में निवेश कर रहा है। चीन इसके जरिये रणनीतिक रूप से न सिर्फ वैश्विक स्तर पर अपना प्रभाव बढ़ा रहा है, बल्कि बीआरआई से जुड़े देशों की आर्थिकी को नियंत्रित करता जा रहा है। पाकिस्तान और श्रीलंका इसके उदाहरण हैं। हालांकि उसका दावा है कि चीनी निवेश से बीआरआई देशों का आर्थिक विकास होगा। इसी सोच के तहत चीन ने पाकिस्तान में सीपीईसी यानी चीन पाकिस्तान इकोनॉमिक कारिडोर शुरू किया। इस परियोजना का उद्देश्य चीन के शिंजियांग प्रांत के लिए पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह से जोड़कर चीन के लिए व्यापार और परिवहन मार्ग हासिल करना है। इस परियोजना में सड़क, रेल, बिजली संयंत्र, बंदरगाह और अन्य बुनियादी ढांचा विकसित करना है।

भारत के लिए चिंता की बात है कि यह परियोजना और इससे जुड़ी सड़क पाक अधिकृत कश्मीर से भी गुजरती है। इसी वजह से भारत इसका विरोध करता है। चीन बीआरआई और सीपीईसी के जरिये पाकिस्तान, ईरान, तुर्की, बांग्लादेश, रूस, श्रीलंका, म्यांमार आदि को जोड़ने की तैयारी में है। वह भारत को एक तरह से सड़क और समुद्र मार्ग से घेरने की कोशिश में है। वैसे चीन के आर्थिक साम्राज्यवाद का नमूना अफ्रीकी देशों और श्रीलंका में दिखने लगा है। उसने इन देशों में निवेश के बाद इन्हें गुलाम बनाना शुरू कर दिया। अर्थव्यवस्था तबाह कर दी। परियोजनाओं के जरिये इन देशों में सैनिक अड्डे भी बनाता है। इससे भारत ही नहीं, अमेरिका की भी चिंताएं बढ़ी थीं। यही वजह है कि भारत और अमेरिका ने मिलकर आईएमईसी परियोजना को बढ़ावा दिया। चीन इससे चिंतित है। ईरान पर अमेरिकी दबाव लगातार बढ़ रहा है। यही वजह है कि चीन और ईरान पर्दे के पीछे भारत और अमेरिका के खिलाफ एक होते जा रहे हैं। ईरान की दुखती रग इस्राइल है। क्योंकि अमेरिका सऊदी और इस्राइल के जरिये ईरान पर निगाह रखता है। सऊदी पर ईरान सीधे कार्रवाई नहीं कर सकता। इस्राइल अरब और मुस्लिम देशों की दुखती रग है। लिहाजा इस्राइल को तंग करने की सोची गई। माना जा रहा है कि भारत और अमेरिका के आईएमईसी कारिडोर में सहभागिता के साथ ही सऊदी अरब से बढ़ती इस्राइल की दोस्ती को चुनौती देने की कोशिश में ईरान और चीन जुटे हैं।

एक तरफ चीन को लगता है कि भारत प्रस्तावित आईएमईसी के चलते उसकी बीआरआई योजना को चुनौती मिल सकती है तो इस्राइल और सऊदी दोस्ती के बाद ईरान के दबदबे पर असर पड़ता। इसीलिए दोनों ने मिलकर हमास को मदद दी और इस्राइल पर हमला बोल दिया। वैसे ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम के कमजोर पड़ने और उस पर अमेरिका और इस्राइल के निगाह रखने से भी चिढ़ा हुआ है। इसलिए उसने इस्राइल को सबक सिखाने की सोची। जिसे चीन का अपने वैश्विक हितों के लिए साथ मिला। यूक्रेन युद्ध के बाद यूक्रेन के जरिये अमेरिकी अगुआई वाले देशों ने रूस पर भी दबाव बना रखा है। इससे रूस भी परेशान है। इसीलिए हमास को इन देशों ने मुहरा बनाया। हमास का हमला सिर्फ फिलिस्तीनी आजादी का संघर्ष नहीं है, बल्कि वैश्विक राजनीति में आ रहे बदलावों और शक्ति संतुलन के नए समीकरणों की उपज है। हमास के हमले की प्रतिक्रिया नई विश्व व्यवस्था की ओर भी एक कदम बढ़ाएगी।

# इन बीच पर बच्चों संग घूमने का बनाएं प्लान

बच्चों को कहीं घुमाने ले जाना चाहते हैं तो बीच एक बेहतर विकल्प हो सकता है। समुद्र के किनारे बच्चों को बहुत आनंद आएगा। समुद्र की उठती लहरों के पास रेत का घर बनाना, या पानी में खेलना बच्चो को पसंद आ सकता है। हालांकि बच्चों के साथ समुद्र किनारे मस्ती करना मजेदार तो होता है, पर कुछ चिंतापूर्ण भी होता है। समुद्र किनारे यानी बीच पर खेलने, पानी में उछलने कूदने का आनंद हर कोई लेना चाहता है लेकिन जब बच्चे साथ होते हैं तो अधिक सावधानी बरतने की जरूरत हो सकती है। ऐसे में बेफिक्र होकर समुद्र तट पर बच्चों के साथ आनंद उठाने के लिए ऐसे बीच का चयन करें तो बच्चों के लिए सुरक्षित हो।

## गणपतिपुले बीच, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के रत्नागिरी में गणपतिपुले बीच हैं। मुंबई से पांच घंटे की ड्राइव करके आप यहां पहुंच सकते हैं। यह जगह अपनी सीमा पर कुछ शांत तटों को समेटे हुए है। यह बच्चों के लिए भारत के सबसे अच्छे तटों में से एक है। यहां का शांत पानी बच्चों के लिए तैराकी का बेहतर स्थान है।

## महाबलीपुरम बीच, तमिलनाडु

तमिलनाडु में स्थित महाबलिपुरम बीच बच्चों के लिए बेहतर जगह है। इस बीच को ममल्लापुरम के नाम से भी जाना जाता है, जहां स्थानीय खानपान का लुत्फ उठा सकते है। यहां प्राचीन मंदिर है, जहां बच्चों को लेकर जा सकते हैं। वास्तुशिल्प और सुंदर दृश्यों का आनंद उठा सकते हैं। यहां स्थित एमजीएम डिज्नी वर्ल्ड बच्चों को काफी पसंद आएगा।

## कॉलेजियम बीच, गोवा

गोवा अपनी असाधारण पार्टियों और नाइट लाइफ के लिए जाना जाता है। यहां के बीच पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं और लोग देश विदेश से गोवा घूमने आते हैं। आप बच्चों के साथ भी गोवा आ सकते हैं। दक्षिण गोवा का कॉलेजियम बच्चों के लिए अनुकूल समुद्र तट है, जहां वह मस्ती कर सकते हैं, पानी में छलांग लगा सकते हैं और नहा सकते हैं। इस बीच पर बोटिंग से लेकर क्रूज की सैर तक ढेर सारे मनोरंजक गतिविधियों का लुत्फ उठा सकते हैं। बच्चों को यहां डॉल्फिन देखने का मौका भी मिल सकता है।

## ओम बीच, गोकर्ण, कर्नाटक

कर्नाटक राज्य का गोकर्ण विदेशी समुद्र तटों और उनके सुंदर दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है। दुनियाभर से लोग परिवार और बच्चों के साथ यहां सुकून वाली छुट्टी मनाने के लिए आते हैं। गोकर्ण के ओम बीच पर वाटर स्पोर्ट्स का लुत्फ उठा सकते हैं और बच्चों के साथ समुद्र किनारे फुटबॉल, क्रिकेट, पतंग उड़ाने व स्थानीय खाने का स्वाद ले सकते हैं।

## हंसना मना है

संता अपनी स्कूल की लड़की को बोला- आई लव यू, अब तुम मुझे बोलो, लड़की- मैं अभी जाकर सर को बोलती हूं। बंता- पगली सर को मत बोल, उनकी तो शादी हो चुकी है।

बीवी- जो आदमी रोज शराब पीकर आये उसके लिए मेरे मन में कोई हमदर्दी नहीं है! पति- जिसको रोज शराब मिल जाये, उसे तुम्हारी हमदर्दी की जरुरत भी नहीं है।

एक दफा एक बादशाह ने खुशी में सब कैदी रिहा कर दिए। उन कैदियों में बादशाह नें एक बहुत ही बुजुर्ग कैदी को देखा.. बादशाह- तुम कब से कैद में हो? बुजुर्ग-आप के अब्बा के दौर से, ये सुन कर बादशाह की आंखों में आंसू आ गए और कहा-इसको दोबारा कैद में डाल दो, ये अब्बा की निशानी है....

भिखारी (अपने बेटे से)- बेटे, यदि हमारी सात लाख की लॉटरी लग गई तो सबसे पहले मकान खरीदूंगा, फिर अपने और तुम सबके लिए नए-नए कपड़े सिलवाऊंगा, इसके अलावा। बेटा - इसके अलावा पापा एक कार खरीद लेना। हम लोग उसमें बैठकर भीख मांगने चला करेंगे, क्योंकि मैं पैदल चलते-चलते थक जाता हूं।

## कहानी | हमेशा सीखते रहो

एक बार गांव के दो व्यक्तियों ने शहर जाकर पैसे कमाने का निर्णय लिया शहर जाकर कुछ महीने इधर-उधर छोटा-मोटा काम कर दोनों ने कुछ पैसे जमा किये फिर उन पैसों से अपना-अपना व्यवसाय प्रारंभ किया दोनों का व्यवसाय चल पड़ा दो साल में ही दोनों ने अच्छी ख़ासी तरक्की कर ली। व्यवसाय को फलता-फूलता देख पहले व्यक्ति ने सोचा कि अब तो मेरा काम चल पड़ा है अब तो मैं तरक्की की सीढ़ियां चढ़ता चला जाऊंगा लेकिन उसकी सोच के विपरीत व्यापारिक उतार-चढ़ाव के कारण उसे उस साल अत्यधिक घाटा हुआ। अब तक आसमान में उड़ रहा वह व्यक्ति यथार्थ के धरातल पर आ गिरा वह उन कारणों को तलाशने लगा, जिनकी वजह से उसका व्यापार बाजार की मार नहीं सह पाया सबने पहले उसने उस दूसरे व्यक्ति के व्यवसाय की स्थिति का पता लगाया, जिसने उसके साथ ही व्यापार आरंभ किया था वह यह जानकर हैरान रह गया कि इस उतार-चढ़ाव और मंदी के दौर में भी उसका व्यवसाय मुनाफ़े में है उसने तुरंत उसके पास जाकर इसका कारण जानने का निर्णय लिया। अगले ही दिन वह दूसरे व्यक्ति के पास पहुंचा। दूसरे व्यक्ति ने उसका खूब आदर-सत्कार किया और उसके आने का कारण पूछा। तब पहला व्यक्ति बोला, दोस्त! इस वर्ष मेरा व्यवसाय बाजार की मार नहीं झेल पाया। बहुत घाटा झेलना पड़ा। तुम भी तो इसी व्यवसाय में हो। तुमने ऐसा क्या किया कि इस उतार-चढ़ाव के दौर में भी तुमने मुनाफा कमाया? यह बात सुन दूसरा व्यक्ति बोला, भाई! मैं तो बस सीखता जा रहा हूं, अपनी गलती से भी और साथ ही दूसरों की गलतियों से भी। जो समस्या सामने आती है, उसमें से भी सीख लेता हूं। इसलिए जब दोबारा वैसी समस्या सामने आती है। तो उसका सामना अच्छे से कर पाता हूं और उसके कारण मुझे नुकसान नहीं उठाना पड़ता। बस ये सीखने की प्रवृत्ति ही है, जो मुझे जीवन में आगे बढ़ाती जा रही है। दूसरे व्यक्ति की बात सुनकर पहले व्यक्ति को अपनी भूल का अहसास हुआ। सफलता के मद में वो अति-आत्मविश्वास से भर उठा था और सीखना छोड़ दिया था। वह यह प्रण कर वापस लौटा कि कभी सीखना नहीं छोड़ेगा उसके बाद उसने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और तरक्की की सीढ़ियां चढ़ता चला गया।

## 7 अंतर खोजें

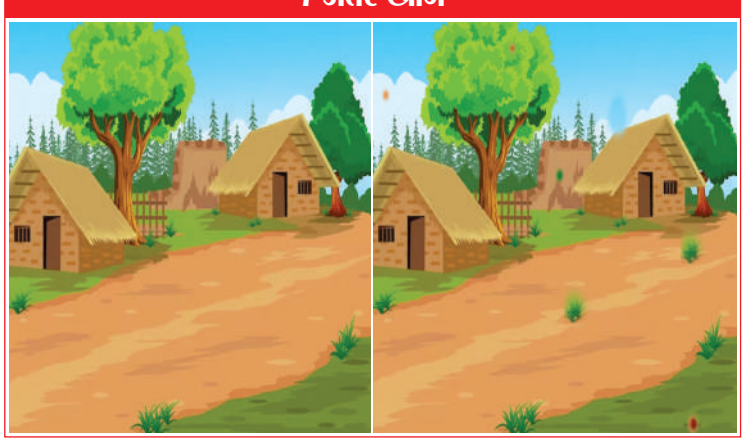

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

आज आप दांपत्य जीवन में धनिष्ठता अनुभव करेंगे। व्यवसाय में परेशानी खड़ी होगी। हाल में विकसित किए गए व्यावसायिक संबंध आगे चलकर बहुत फ़ायदा देंगे।

**वृषभ**

आज का दिन आपको लिए मेहनत भरा रहेगा। आज यदि नौकरी में आपको कोई अहम कार्य सौंपा जाए, तो उसमें आपको कठिन परिश्रम करना होगा, तभी आप उसे पूरा कर पाएंगे।

**मिथुन**

आज आप पर काम का बोझ ज्यादा रहेगा, जिसकी वजह से आप थकान महसूस करेंगे। किसी काम में अनुभवी की राय आपके लिए बेहतर साबित होगी।

**कर्क**

आज आपके अपनों का व्यवहार विपरीत होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों से विवाद हो सकता है। आज आपकी रोज की दिनचर्या बदल जाएगी।

**सिंह**

आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपको अपने किसी परिजन से कोई दुखद सूचना प्राप्त होगी, जिसके कारण आप थोड़ा परेशान रहेंगे।

**कन्या**

आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज आपको किसी पारिवारिक समारोह में जाने का मौका मिलेगा। आज आपका कॉन्फिडेंस बढ़ा हुआ रहेगा।

**तुला**

दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आप परिवारवालों के साथ किसी ट्रिप का प्लान बना सकते हैं। आप बचत पर ध्यान दीजिए। कारोबार में नुकसान हो सकता है।

**वृश्चिक**

आज का दिन आप कुछ विशेष कर दिखाने की उधेड़बुन में लगे रहेंगे, लेकिन आज आप अपने अधिकारियों की आंखों का तारा बनेंगे।

**धनु**

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आपको नये लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। किसी भी काम में बड़ों की सलाह लेना बेहतर रहेगा।

**मकर**

आज नए कार्यों का प्रारंभ कर सकेंगे। ऐसी जानकारियों को उजागर न करें जो व्यक्तिगत और गोपनीय हों। आप ज्यादा चिंता करने से बचें।

**कुम्भ**

आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहेगा। आज आप अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए जो भी प्रयास करेंगे, वह अवश्य पूरे होंगे।

**मीन**

आज आप लोगों को अपनी बातों से सहमत करने में सफल होंगे। घर पर किसी रिश्तेदार के आने से परिवार में खुशी का माहौल बनेगा। सोचे हुए कुछ जरूरी काम आज पूरे होंगे।

# करीना कपूर ने भाभी आलिया भट्ट की तारीफों में पढ़े कसीदे

सा करीना कपूर और आलिया भट्ट दोनों ने हर कदम पर खुद को साबित कर अपने शानदार अभिनय और खूबसूरती से इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। रणबीर कपूर संग सात फेरे लेने के बाद आलिया, करीना की भाभी बन चुकी हैं। वहीं, हाल ही में एक आभूषण ब्रांड के लिए ननन-भाभी के सहयोग ने दर्शकों को काफी ज्यादा उत्साहित किया। दोनों की बॉन्डिंग ने दर्शकों के दिल जीते। इतना ही नहीं विज्ञापन को देखने के बाद फैंस दोनों को एक फिल्म में साथ देखने की डिमांड करने लगे। इसी पर अब करीना कपूर ने चुप्पी तोड़ते हुए बड़ा बयान दिया है। करीना कपूर और आलिया भट्ट ने उड़ता पंजाब में अभिनय किया लेकिन साथ में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं बिताया। हालांकि, उनकी ऑफ-स्क्रीन जिंदगी कई मायनों में एक जैसी रही है। एक इंटरव्यू में, जब करीना से आलिया के करियर पथ के उनके समान होने के बारे में पूछा गया, तो करीना ने आलिया को प्रतिभाशाली कहा। करीना ने कहा, मुझे लगता है कि वह वास्तव में प्रतिभाशाली हैं। उन्होंने आगे कहा, वह एक शानदार अभिनेत्री हैं और उनकी पसंद भी... जैसे वह बड़े विज्ञापन करती हैं और फिर उन्होंने डार्लिंग्स भी की। इसलिए, वह ऐसा करना पसंद करती हैं, जो बहुत अच्छा है।

करीना कपूर ने कबूल किया कि जब आलिया बच्ची थीं तब वह उनसे कभी नहीं मिलीं, लेकिन अब जब आलिया ने करीना के चचेरे भाई रणबीर कपूर से शादी कर ली है, तो उनकी बातचीत बढ़ गई है। करीना ने कहा, बचपन में मैं उनसे कभी नहीं मिली। मैं उन्हें उतना नहीं जानती थी, लेकिन बेशक अब वह एक रिश्तेदार और परिवार में है। मुझे लगता है कि अब मैं खुद विकल्पों की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं क्योंकि यही एक अभिनेता बनाता है। आलिया की तारीफ जारी रखते हुए बेबो ने अपनी बात में जोड़ा, मुझे पता है कि आलिया मुझसे प्यार करती हैं, और यह एक बहुत ही आपसी बात है क्योंकि मुझे सच में लगता है कि वह इस पीढ़ी में सर्वश्रेष्ठ हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

## इजरायल-हमास युद्ध पर सोनम कपूर का छलका दर्द

सोनम कपूर ने इजरायल-हमास युद्ध पर अपनी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें कई मासूमों की जान गई है और ग्लोबल इकोनॉमी को भी तगड़ा झटका लगा है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, गाजा की आधी आबादी बच्चों की है। सोनम कपूर एक अन्य पोस्ट में लिखती हैं, अगर हम इजरायली बच्चों की सुरक्षा को अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझते हैं, तो फलस्तीनी बच्चों की सुरक्षा भी हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। दोनों तरफ के बच्चों की जिंदगी के मायने बराबर हैं। अगर आप इजरायल या गाजा में से किसी एक के नागरिकों की जिंदगी की परवाह करते हैं, तो आपको वास्तव इंसानी जीवन की कोई परवाह नहीं है। सोनम कपूर ने पहले इजरायल-हमास विवाद पर गीगी हदीद का पोस्ट शेयर किया था, जिसमें लिखा है, मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ है जो इस अुचित त्रासदी का शिकार बने हैं। इस विवाद में हर दिन मासूम लोगों की जान जा रही है, जिनमें ज्यादातर बच्चे हैं। सोनम कपूर ने पहले कहा था कि हिंसा और मौत हमें कहीं नहीं पहुंचाते। यह सिर्फ हमारे भीतर मौजूद इंसानियत को खत्म कर देते हैं। महात्मा गांधी की अहिंसा, मजबूत लोगों का हथियार है। अहिंसा और सच्चाई को अलग करके नहीं देखा जा सकता। हम अपने विचारों, शब्दों और कर्मों से पूरी तरह अहिंसक नहीं बन सकते, लेकिन अहिंसा हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

सोनम कपूर अपनी अगली फिल्म में जल्द काम शुरू करेंगी जो अनुजा चौहान के नॉवेल बैटल ऑफ बिटोरा पर बन रही है। फिल्म का निर्माण एक्ट्रेस के पिता अनिल कपूर के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले हो रहा है। फिल्म अगले साल रिलीज हो सकती है।

# अभिषेक पर बिफरीं अर्चना गौतम

बिग बॉस 17 की धमाकेदार शुरुआत हो चुकी है। 15 अक्टूबर को प्रीमियर हुए इस गेम शो में कंटेस्टेंट्स ने अब अपना असली रंग दिखाना शुरू कर दिया है। और इसकी शुरुआत अभिषेक कुमार से हो गई है। अभिषेक ने आते ही ईशा मालवीय से झगड़ना शुरू कर दिया था। दोनों सलमान खान के सामने ही लड़ पड़े थे। इसके बाद घर के अंदर भी उनकी बहस हो गई। मगर आरोप प्रत्यारोप का उनका चैप्टर यहीं खत्म होते नहीं दिख रहा। बिग बॉस 16 की कंटेस्टेंट रहीं अर्चना गौतम ने उनके झूठ का पर्दाफाश किया है। अभिषेक कुमार की पहले दिन प्रीमियर नाइट में इशा मालवीय से उनकी फाइट हो गई थी। दोनों अपने पुराने मुद्दे लेकर सलमान खान के सामने ही लड़ पड़े थे। वहीं, बिग बॉस 17 के घर के अंदर भी अभिषेक इशा के बारे में बात करते हैं। लाइव फीड में दिखाया गया है कि अभिषेक, मुनव्वर से कहते हैं कि वह नहीं जानते थे कि इशा भी शो का हिस्सा होंगी। ये सुनते ही अर्चना गौतम का अभिषेक पर पारा बढ़ गया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अभिषेक को लताड़ लगाई है। अर्चना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें बिग बॉस 17 की लाइव फीड के मोमेंट्स दिखाए गए हैं।

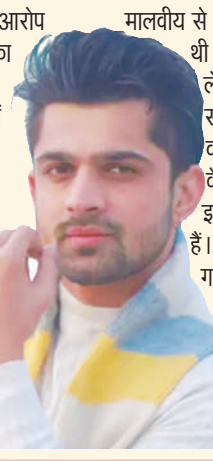

# ऑटो रिक्शा को क्यों कहते हैं टेम्पो, कब हुई थी शुरुआत?

ऑटो रिक्शा सड़कों की जान होता है। महंगी टैक्सी, और भीड़भाड़ वाली मेट्रो निजात दिलाने का एक बेहद खास तरीका होता है। छोटा शहर हो या बड़ा, आपको अलग-अलग डिजाइन या प्रकार के ऑटो रिक्शे सड़कों पर दौड़ते मिल जाएंगे। नोएडा दिल्ली में तो काफी ऑटो रिक्शे सीएनजी से चलने लगे हैं। पीले-हरे रंग वाले इन साधनों को निम्न वर्ग के लोगों के साथ-साथ मध्यम वर्ग के लोग भी प्रयोग करते हैं। पर इसके नाम काफी विचित्र होते हैं। भारत के कुछ शहरों में इन्हें टेम्पो कहा जाता है। दिखने में वो काफी बड़े होते हैं। क्या आप इस नाम का कारण जानते हैं? सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा कमाल की डिजिटल प्लेटफॉर्म है जहां आम लोग अपने सवाल करते हैं और आम लोग ही उनके जवाब देते हैं। कुछ सालों पहले किसी ने कोरा पर सवाल किया-भारत के कुछ हिस्सों में ऑटो रिक्शा को टेम्पो क्यों बोलते हैं? शायद आप जानते होंगे कि म्यूजिक में टेम्पो एक अहम शब्द होता है जिसका अर्थ होता है गाने की गति। पर इस शब्द से ऑटो को क्यों पुकारा जाता है? ये जानना काफी रोचक होगा, चलिए आपको बताते हैं। अनुराग निमेश नाम के शख्स ने लिखा-टेम्पो (जिसे विडाल एंड सन टेम्पो वर्क जीएमबीएच के नाम से भी जाना जाता है) जर्मन गाड़ियों की निर्माता कंपनी थी हैंबर्ग में स्थित थी। इस कंपनी को 1924 में ऑस्कर विडाल ने शुरू किया था। जर्मनी में ये काफी फेमस थी क्योंकि ये मैटाडोर वैन और हैनसीट थी व्हीलर गाड़ियां भी बनाती थी जिसे हम ऑटो रिक्शा या टेम्पो कहते हैं। 1930 और 1940 के दौरान इस कंपनी ने छोटी मिलिट्री गाड़ियां भी बनाई थीं। फेसबुक पेज इंडिया हिस्ट्री के एक पोस्ट के अनुसार ये गाड़ियां 1960 के दशक में काफी पॉपुलर हुई थी और भारत में 1958 के दौर में इसका प्रोडक्शन फिरोदिया ग्रुप ने शुरू किया था जो मुंबई के गोरेगांव में उनकी फैक्ट्री में बना करता था। आजकल ये कुछ छोटे शहरों में चलते हुए दिख जाते हैं। इनसे काफी प्रदूषण होता था, इस वजह से धीरे-धीरे इनका उपयोग कम होता गया और आज के छोटे ऑटो ज्यादा उपयोग में आने लगे जो अब सीएनजी से भी चलते हैं।

अजब-गजब | यहां से आती हैं डरावनी आवाजें,सुनाई देती है घंटों के नाद

# मां दुर्गा के इस मंदिर में जाने से डरते हैं लोग

दुनियाभर में माना जाता है कि भारत आध्यात्म और साधना का केंद्र है। देश में कई प्राचीन मंदिर हैं, जिनका अपना एक विशेष महत्व है। इनमें मां दुर्गा के कई बेहद चमत्कारिक और रहस्यमयी मंदिर हैं। कई लोग मानते हैं कि यह भगवान की कृपा है, तो वहीं अन्य लोगों के लिए आश्चर्य का विषय है। नवरात्र में लोग मां दुर्गा की पूरी आस्था और भक्ति के साथ पूजा और आराधना करते हैं।

लोगों को विश्वास है कि मां उनकी जरूर सुनेंगी, क्योंकि मां अपने भक्तों को निराश नहीं करतीं। हालांकि मध्य प्रदेश के देवास में मां दुर्गा का एक ऐसा मंदिर हैं, जिससे लोग डरते हैं। इस मंदिर में जाने से भक्त डरते हैं। ऐसा नहीं है कि मां दुर्गा के प्रति लोगों की आस्था नहीं है। लोग माता को मानते हैं और नवरात्रि में यहां आते हैं, लेकिन बाहर से ही दर्शन कर चले जाते हैं। आइए आपको बताते हैं कि मां दुर्गा के इस मंदिर में क्यों जाने से डरते हैं लोग और क्या रहस्य है।

कहा जाता है कि यह मंदिर शापित है और सूर्यास्त के बाद इस मंदिर में कोई नहीं जाता है। लोगों के मुताबिक, सूर्यास्त के बाद यहां आने वाले व्यक्ति के साथ अजीबोंगरीब घटनाएं घटती हैं। लोगों के मुताबिक, इस मंदिर से डरावनी आवाजें आती हैं।

लोग बताते हैं कि कभी शेरों के दहाड़ने की आवाजें आती है, तो कभी घंटों के नाद की। इसकी वजह से दिन ढलने के बाद लोग इस मंदिर की तरफ जाने से डरते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां पर गलत इरादे से आने वाले लोगों के साथ हमेशा नुकसान होता है।

कई लोगों ने इस मंदिर को तोड़ना चाहा, लेकिन उनको सफलता नहीं मिली। यहां पर काम कर रहे मजदूरों ने गुंबद में से आग निकलती हुई देखी, जिसके बाद काम को रोक दिया गया। अब इस मंदिर में कोई नहीं आता है और यह सुनसान पड़ा रहता है। देवास के इस मंदिर से कई कहानियां जुड़ी हुई हैं। इस मंदिर का निर्माण देवास के महाराजा ने कराया था, लेकिन इसके बनवाने के बाद घराने में अशुभ घटनाएं होने लगीं। एक के बाद एक कलह होने लगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां राजा की बेटी के सेनापति से प्रेम संबंध थे। राजा को यह बात पसंद नहीं थी। वह इस रिश्ता के खिलाफ थे और बेटी को जेल में डाल दिया। बेटी को यह दूरी बर्दाश्त नहीं हुई और जेल में उसकी रहस्यमयी मौत हो गई।

# टिकट वितरण प्रक्रिया सबसे कठिन काम: दिग्विजय

## नाराज नेताओं से अपील- महासचिव को तथ्यों के साथ लिखित में प्रतिवेदन दें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस की पहले सूची आने के बाद नाराज और असंतुष्ट नेताओं ने टेंशन बढ़ा दी है। पूर्व सीएम ने कहा है टिकट वितरण प्रक्रिया सबसे कठिन काम है। कार्यकर्ता के विरोध में दिग्विजय सिंह और कमलनाथ के बीच द्वंद की स्थिति सामने आ चुकी है। इस बीच अब पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि आप अपना प्रतिवेदन तथ्यों के साथ एआईसीसी के महासचिव, सचिव और पर्यवेक्षक को लिखित में दें, आपको न्याय अवश्य मिलेगा।**

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने लिखा कि उन्हें साल 1985 में राजीव गाधी ने 38 साल की उम्र में मध्यप्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया था। तब से टिकट वितरण प्रक्रिया में शामिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सबसे कठिन काम है। पूर्व सीएम ने लिखा कि इस चुनाव में लगभग 4,000 उम्मीदवार चुनाव लड़ना चाह रहे हैं। इनमें से केवल 230 का चयन होना है। मापदंड क्या हो सकता है? जिला कांग्रेस से नाम लिए गए। वरिष्ठ कांग्रेस जनों से नाम लिए गए। उन्होंने आगे लिखा कि एआईसीसी के सचिवों ने हर विधानसभा क्षेत्र में जाकर कार्यकर्ताओं से चर्चा की। एआईसीसी की स्क्रीनिंग कमेटी ने भोपाल में आकर सभी से मिलने का प्रयास किया। निष्पक्षता से हर विधानसभा क्षेत्र का सर्वे करवाया गया। प्रदेश कांग्रेस ने अलग-अलग लोगों से सर्वे कराया। फिर प्रयास किया है आम सहमति बने। अधिक से अधिक वर्गों को प्रतिनिधित्व दिया जाए। महिलाओं व युवाओं को अवसर दिया जाए। फिर भी सभी को संतुष्ट करना संभव नहीं है। प्रत्याशियों में असंतोष होना स्वाभाविक है। क्योंकि हर उम्मीदवार यह समझता है, केवल वही चुनाव जीत सकता है।

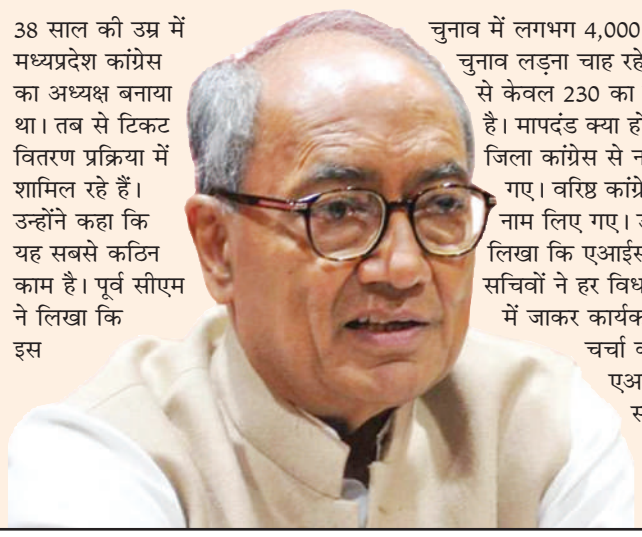

### जनता बदलाव चाहती है, विकल्प केवल कांग्रेस

**दिग्विजय ने कहा, जनता बदलाव चाहती है, विकल्प केवल कांग्रेस है, जिनको उम्मीदवार नहीं बना पाए हैं, उनको संगठन में स्थान दिया जाना चाहिए। यदि सरकार बनती है तो सभी योग्य लोगों को सम्माननीय स्थान पर अवसर मिलना चाहिए। मैं सभी टिकट प्राप्त करने में असफल रहे उम्मीदवारों से अपील करना चाहता हूं आप धैर्य रखें। हम सभी को मिलजुल कर सरकार बनाना है। आप सभी से विनम्र अपील है, आपको जो कहना है वह तथ्यों के आधार पर एआईसीसी के महासचिव, सचिव और पर्यवेक्षक को लिखित में अपना प्रतिवेदन दें, न्याय अवश्य मिलेगा।**

# नसीमुद्दीन, अतर और नौशाद अली को अदालत का झटका

### » अर्जी खारिज, दयाशंकर सिंह के परिजनों को दी थीं गालियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। भाजपा सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के परिवार की महिलाओं के खिलाफ अभद्र और अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने के मामले में आरोपी बनाए गए बसपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव नसीमुद्दीन सिद्दीकी, रामअचल राजभर, अतर सिंह राव और नौशाद अली की ओर से दी गई आरोपों से मुक्त करने की मांग वाली (डिस्चार्ज) अर्जी खारिज हो गई।**

एमपी/एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश हरबंस नारायण ने चारों आरोपियों की अर्जी को जहां खारिज कर दिया है। वहीं हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में मामले के अन्य आरोपी मेवालाल गौतम के खिलाफ पाक्सो एक्ट की धारा को हटा दिया है। इसके पहले कोर्ट में सरकारी वकील रमेश कुमार शुक्ला ने बताया नौ कि मामले में आरोपी नसीमुद्दीन सिद्दीकी सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ कोर्ट ने 22 फरवरी 2021 को आरोप तय कर दिए थे तथा मामले की गवाह पूर्व मंत्री स्वाति सिंह की गवाही चल रही है। कहा गया इसी बीच आरोपी मेवालाल गौतम ने हाईकोर्ट में याचिका दायर करके निचली अदालत की कार्यवाही को चुनौती दी जिस पर हाईकोर्ट ने मेवालाल के खिलाफ लगायी गई पाक्सो एक्ट की धारा 11(1) को निरस्त कर दिया। हाईकोर्ट के इस आदेश को मेवा लाल गौतम ने विशेष अदालत में पेश कर पाक्सो एक्ट के आरोपों को हटाए जाने की माँग की।वही हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद अतर सिंह राव, नौशाद अली, नसीमुद्दीन सिद्दीकी एवं राम अचल राजभर ने भी कोर्ट में अलग-अलग अर्जिया देकर पाक्सो एक्ट की आरोपों से बरी किए जाने की माँग की लेकिन कोर्ट ने आरोपियों की अर्ज़ी ख़ारिज कर दिया और कहा कि मेवालाल गौतम का मामला भिन्न है क्योंकि नसीमुद्दीन सिद्दीकी, राम अचल राजभर, अतर सिंह राव एवं नौशाद अली ने विचारण न्यायालय के किसी आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती नहीं दी है। कोर्ट ने अपने आदेश मे कहा है कि एक बार जब आरोप तय हो जाते है और विचारण शुरू हो जाता है तब उसका मुक़दमें का निस्तारण दोष सिद्धि या दोष मुक्त के आधार पर ही किया जाता है।कोर्ट ने आगे कहा कि इस कोर्ट को अपने किसी भी आदेश को वापस लेने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने आगे अभियोजन को निर्देश दिया है कि वह गवाह पूर्व मंत्री स्वाति सिंह को कोर्ट में पेश करे और उनका बयान कराए।

# एथिक्स कमेटी ने निशिकांत दुबे को गवाही के लिए 26 को बुलाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। महुआ मोइत्रा मामले में 26 अक्टूबर को ऐथिक्स कमेटी की बैठक होनी है, बैठक में निशिकांत दुबे और वकील जय अनंत देहाद्राई सबूत भी पेश कर सकते हैं। निशिकांत दुबे और जय अनंत देहाद्राई को मौखिक साक्ष्य देने के लिए बुलाया है। इसे लेकर एक नोटिस भी जारी किया गया है, महुआ मोइत्रा पर पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोप है।**

### » महुआ मोइत्रा मामले में होगी बैठक

बता दें कि टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ कुछ दिन पहले ही बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे की शिकायत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा की ऐथिक्स कमेटी को भेजी थी। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोपों में घिरी महुआ मोइत्रा को लेकर निशिकांत दुबे ने चिट्ठी लोकसभा अध्यक्ष को लिखी थी। बीजेपी एमपी के आरोपों और एक वकील की सीबीआई को शिकायत के बाद केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने खुलासा किया था कि महुआ के सवालों की भाषा कारोबारी हीरानंदानी की भाषा से मिलती है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को लिखी चिट्ठी में दुबे का आरोप है कि महुआ मोइत्रा को सदन में सवाल पूछने के लिए बिजनेसमैन दर्शन हीरानंदानी से गिफ्ट और कैश मिला।

# तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्रियों में धमाका, 13 लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**चेन्नई। तमिलनाडु में पटाखा कारखानों में दो अलग-अलग विस्फोटों के परिणामस्वरूप मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। एक कम्मापट्टी गांव में और दूसरा शिवकाशी में, दोनों विरुधुनगर जिले में हैं। पहले इसमें पांच लोगों के मौत की खबर थी। अग्निशमन एवं बचाव विभाग के अनुसार, प्रारंभिक विस्फोट उसी जिले में शिवकाशी के पास एक पटाखा निर्माण सुविधा में हुआ, जिसके बाद आग बुझाने वाली इकाइयों को तुरंत प्रतिक्रिया देनी पड़ी। पहले विस्फोट के बाद, दूसरा विस्फोट हुआ, इस बार कम्मापट्टी गांव की एक पटाखा फैक्ट्री में।**

**राहत और बचाव कार्य जारी**

पुलिस अधिकारी के मुताबिक पुलिस, दमकल एवं बचाव सेवा कर्मी एवं स्थानीय लोग मिलकर आग बुझाने और पीड़ितों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। इन दुखद घटनाओं ने इस क्षेत्र में शोक पैदा कर दिया है, और विस्फोटों के कारणों का पता लगाने और भविष्य में इसी तरह की त्रासदियों को रोकने के लिए जांच चल रही है।

फैक्टरी में आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रत्येक मृतक के परिवार को 3 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल हुए प्रत्येक व्यक्ति को 1-1 लाख रुपये और मामूली रूप से घायल हुए लोगों को 50,000 रुपये देने की घोषणा की थी।

## शोकसभा

आपको अत्यन्त दुख के साथ सुचित करते हुए कि मेरे कनिष्क पुत्र सचिन सेठ का निधन दिनांक 16/10/2023 दिन सोमवार को हो गया था। भगवान के चरणों में प्रार्थना करें कि परम दयालु परमात्मा सदागत दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।

**शोक सभा का दिन:** 19/10/2023
शोक सभा का समय सायं: 4 बजे से 5 बजे तक।

**पुत्र श्री विपिन सेठ, पुत्र श्रीमती सोनी सेठ**
**समस्थ सेठ परिवार**
**Mobile no:** 90444070777
**Address:** 66G SADAR BAZAAR CANTT NEAR SBI ATM

# अफ्रीका के विजयी अभियान पर नीदरलैंड ने लगाया ब्रेक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**धर्मशाला। नीदरलैंड टीम ने राउंड रॉबिन लीग चरण में दक्षिण अफ्रीका को 38 रन से हराया। दक्षिण अफ्रीका की यह हार विश्वकप के मैचों में दूसरा बड़ा उलटफेर है। नीदरलैंड का विश्व कप के इतिहास में टेस्ट खेलने वाले किसी देश के खिलाफ उसकी पहली जीत थी। यह मैच बारिश के कारण प्रति टीम 43 ओवर का किया गया था। 50 ओवरों के विश्व कप में नीदरलैंड की यह तीसरी और 16 साल में पहली जीत है। उसने 2003 में नामीबिया को हराया था और 2007 विश्व कप में स्कॉटलैंड को मात दी थी।**

नीदरलैंड ने क्वालीफाइंग दौर खेलकर विश्व कप में जगह बनाई है और एडवर्डस ने कहा कि उनकी टीम यहां सिर्फ संख्या बढाने नहीं आई है। क्वालीफाई करने के बाद हमने तय कर लिया था कि क्या करना है। हम यहां सिर्फ विश्व कप का मजा लेने नहीं आये हैं। हम यहां जीतने आये हैं।

एक समय नीदरलैंड के सात विकेट 34वें ओवर में 140 रन पर गिर चुके थे जिसके बाद एडवर्डस ने खुद मोर्चा संभालकर 69 गेंद में 78 रन बनाये। डच टीम के आठ विकेट पर 245 रन के जवाब में दक्षिण टीम 42 . 5 ओवर में 207 रन पर आउट हो गई।

# उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई

## इलाज न मिलने से मरीज तड़प रहे, तीमारदार भटक रहे, बरेली में बुखार और डेंगू पीड़ितों से भरे अस्पताल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था की स्वास्थ्य व्यवस्था भी चरमरा गई है। अव्यवस्थाओं का आलम यह है कि मरीजों की जान पर आफत आ रही है। विभाग है की मौन है। दरअसल, बरेली में अव्यवस्थाओं से घिरे जिला अस्पताल में मरीजों की जान पर बन आई है। डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ इलाज के नाम पर तीमारदारों को दौड़ा रहे हैं।

मंगलवार देर रात बुखार और डेंगू पीड़ित मरीज इलाज नहीं मिलने के कारण तड़पने लगे तो उनके तीमारदार भी भड़क गए। उन्होंने पहले इमरजेंसी में हंगामा किया। यहां सुनवाई नहीं हुई तो जिलाअस्पताल के मुख्य गेट पर हंगामा करते हुए जाम लगा दिया। जिले में इन दिनों डेंगू और बुखार का प्रकोप है। जिला अस्पताल में मरीजों की भरमार है। यहां आने वाले मरीजों को जांचों की रिपोर्ट से लेकर इलाज तक समय पर नहीं मिल पा रहा। खुद सीएमएस डॉ. अलका शर्मा डॉक्टरों की जिम्मेदारी तय करने में नाकाम साबित हो रही हैं। जिम्मेदारों की अनदेखी से जिला अस्पताल में माहौल बिगड़ गया। इज्जतनगर क्षेत्र के मठ लक्ष्मीपुर निवासी शुभम मिश्रा ने अपने दादा रामलाल मिश्रा और छोटे भाई प्रेम मिश्रा को दो दिन पहले जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। प्रेम मिश्रा को डेंगू हुआ है, जबकि उनके दादा को पेशाब संबंधी समस्या है। दोनों को अब तक इलाज नहीं मिल सका है। उन्होंने बताया कि मंगलवार रात दोनों की स्थिति खराब थी। देर रात डॉक्टर राउंड पर आए तो उन्होंने मरीज की स्थिति के बारे में पूछा। इस पर डॉक्टर ने कहा कि दूसरा डॉक्टर बताएगा।

**जिला अस्पताल के मुख्य गेट पर हंगामे से लग रहा जाम**

### डॉक्टर पर अभद्रता करने का आरोप

सुबोध गुप्ता के परिवार से भी बुखार पीड़ित भर्ती हैं। उनका कहना है कि दो दिन के बाद भी इलाज तो दूर जांच रिपोर्ट तक नहीं मिली है। जब डॉक्टर से पूछा तो उन्होंने कह दिया कि दूसरा डॉक्टर बताएगा। तबीयत बिगड़ने की बात कही तो डॉक्टर ने अभद्रता करते हुए कह दिया कि मरीज को कहीं और ले जाओ। मेरी जिम्मेदारी नहीं है। कई और मरीजों के साथ ऐसा व्यहार हुआ तो माहौल बिगड़ गया। तीमारदारों का गुस्सा देखकर डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टॉफ भी यहां से किनारा कर गया। इसके बाद देर रात तक अस्पताल में हंगामा होता रहा।

### रात में एक ईएमओ के भरोसे अस्पताल

मरीजों की जान सांसत में है और तीमारदार परेशान हो रहे हैं। रात में जिला अस्पताल को एक ईएमओ के भरोसे छोड़ दिया जाता है। कई मरीजों के तीमारदारों का आरोप है कि डॉक्टर उनको सलाह देते हैं कि मरीज को निजी अस्पताल ले जाएं। वे निजी अस्पतालों के नाम भी सुझाते हैं। तीमारदारों ने बताया कि डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ मनमानी के साथ अभद्रता भी कर रहे हैं।

### डॉक्टरों पर शराब पीकर हंगामा करने का आरोप

बवाल व पुलिस से मारपीट के आरोप भी हैं। 17 अगस्त की रात जिला अस्पताल के डॉ. राहुल वाजपेयी और डॉ. वैभव शुक्ला ने पैरामेडिकल स्टाफ के साथ सौ फुटा रोड पर बवाल किया था। मारपीट और हंगामा के बीच महिला कांस्टेबल के साथ छेड़खानी भी की थी। डॉ. राहुल वाजपेयी भी जिला अस्पताल में ईएमओ पद पर हैं। ऐसे में जिला अस्पताल के बेलगाम स्टाफ को लेकर अक्सर उंगलियां उठती रहती हैं।

# सीएम बनने के लिए लालू ने मेरे पति को मरवा दिया: रमा देवी

» भाजपा सांसद ने लगाए गंभीर आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। भाजपा सांसद रमा देवी ने राजद प्रमुख लालू यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि लालू यादव ने सीएम बनने के लिए उनके पति बृज बिहारी प्रसाद की हत्या करा दी थी। बता दें कि रमा देवी पटना के गर्दनीबाग में यह बात कही है।

मंच को संबोधित करते हुए भाजपा संसाद ने कहा कि पूरा लालू परिवार बेल पर है। उन्होंने कहा कि लालू और उनकी पत्नी राबड़ी देवी व बेटे तेजस्वी यादव सभी लोग जमानत पर बाहर हैं। रमा ने आगे कहा कि जनता सब जानती है कि उनके पैसों का किस तरह से बंदरबांट किया गया। सभी को पता है कि लालू परिवार ने किस तरह से घोटाला किया है। भाजपा

सांसद ने कहा कि जनता सब जानती है कि किस तरह ये लोग गोली चलवा कर राज्य को चलाते हैं। उन्होंने कहा कि इन्हें जनता जवाब देगी। अपने संबोधन के दौरान रमा देवी ने कहा कि लालू यादव ने मुख्यमंत्री बनने के लिए उनके पति बृज बिहारी प्रसाद को मरवा दिया। मोतिहारी से सीट जीतने के बाद राजद को हमने 12 साल दिए, इससे लालू को लगा कि हम मुख्यमंत्री बन जाएंगे, इसलिए मेरे पति को मरवा दिया। गौरतलब है कि 13 जून, 1998 को बृज बिहार प्रसाद की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में मशहूर कान्ट्रैक्ट किलर श्री प्रकाश शुक्ला का नाम सामने आया था।

# अडानी को लेकर राहुल ने मोदी पर बोला तीखा हमला

## कांग्रेस सांसद ने धांधली का लगाया आरोप, कहा- कोयले के आयात से जनता की जेब पर हो रहा घात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक बार फिर से अदानी को लेकर प्रधानमंत्री को घेरा है। इसबार उन्होंने कोयला आयात में धांधली का आरोप लगाया है। राहुल ने अदानी और कोयले की रहस्यमयी कीमतों में वृद्धि पर एक मीडिया रिपोर्ट भी पत्रकारों को दिखाई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए अदानी समूह पर कोयला आयात में अधिक बिल बनाने और बिजली दरों में लोगों से 12,000 करोड़ रुपये की लूट करने का आरोप लगाया।

अदानी मुद्दे पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि इस बार चोरी नता की जेब से हो रही है...जब आप स्विच का बटन दबाते हैं तो अदानी की जेब में पैसा जाता है...पूछताछ हो रही है अलग-अलग देशों में लोग सवाल पूछ रहे हैं लेकिन भारत में कुछ नहीं हो रहा है।

» भारत आते ही कोयले की कीमत दोगुनी हो जाती है

» कांग्रेस ने मोदी सरकार को घेरा

### भारत के पीएम मोदी हैं, पवार नहीं

यह पूछे जाने पर कि अदानी मुद्दे पर भारत गठबंधन एकजुट होने के बावजूद वह शरद पवार की अदानी से मुलाकात पर सवाल क्यों नहीं उठा रहे हैं, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि मैंने शरद पवार से नहीं पूछा, वह भारत के प्रधानमंत्री नहीं हैं। शरद पवार अदानी की रक्षा नहीं कर रहे हैं, नरेंद्र मोदी कर रहे हैं और इसीलिए मैंने पीएम नरेंद्र मोदी से यह सवाल पूछा। अगर शरद पवार भारत के पीएम होते और अदानी को बचा रहे होते, तो मैं शरद पवार से भी यह सवाल पूछ रहा होता।

### मोदी चुप क्यों हैं, जांच करवाएं

राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं...मैं केवल प्रधानमंत्री की मदद कर रहा हूं और उनसे जांच शुरू करके सच्चाई सामने लाने और अपनी विश्वसनीयता की रक्षा करने के लिए कह रहा हूं। पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में फाइनेंशियल टाइम्स की हालिया रिपोर्ट दिखाई जिसमें दावा किया गया कि ऐसा प्रतीत होता है कि अदानी समूह ने बाजार मूल्य से काफी अधिक कीमत पर अरबों डॉलर का कोयला आयात किया है।

फोटो: 4पीएम

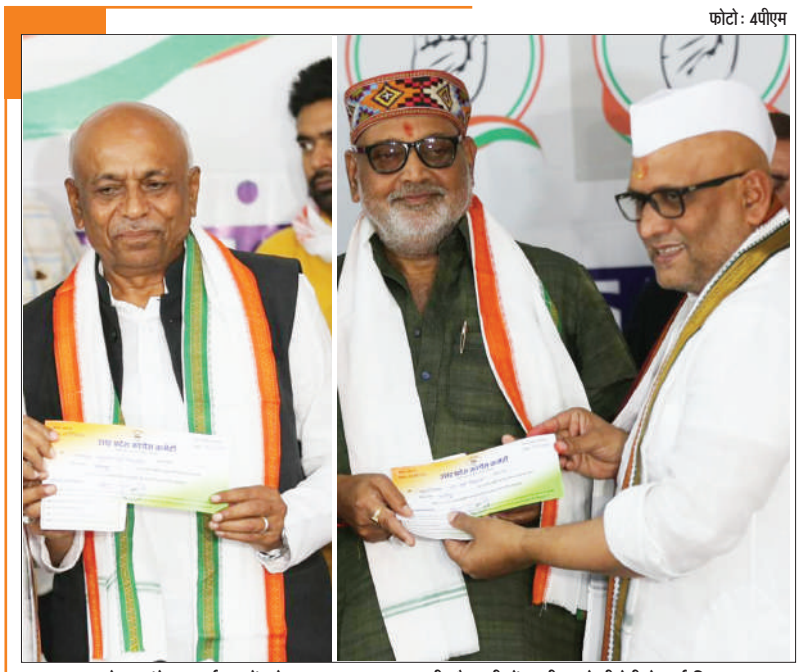

**धरना** प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की मौजूदगी में गाजीपुर से बीजेपी के पूर्व विधायक पशुपतिनाथ और हमीरपुर से सपा के पूर्व विधायक गयादीन अनुरागी ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

# शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा को कोर्ट का झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिवान। बिहार के सिवान से दिवंगत सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने ओसामा को 30 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। वहीं कोर्ट के फैसले के बाद ओसामा के समर्थक भड़क गए और कोर्ट परिसर में हंगामा करने लगे।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार यानि कल से दुर्गा पूजा की छुट्टी होने की वजह से कोर्ट में 30 अक्टूबर तक काम नहीं होगा। इधर, ओसामा की ओर से जमानत के अर्जी नहीं दी गई है। समर्थक ओसामा को उसके निजी वाहन में बैठाने के लिए अड़े थे। इस पर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। इसके बाद पुलिस ने ओसामा को अपनी गाड़ी में बैठाया। बता दें कि पुलिस ने ओसामा को सहित दो लोगों को राजस्थान पुलिस ने कोटा के रामगंज मंडी थाना क्षेत्र के उंडवा नाके से गिरफ्तार किया था। सोमवार को हुई इस गिरफ्तारी के बाद बिहार में सियासत तेज हो गई थी। वहीं, ओसामा की मां और शहाबुद्दीन की पत्नी हीना शहाब का बयान भी सामने आया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।